दिल्ली की शान मेट्रो में भीड़ बढ़ती जा रही है। अभी तो सिर्फ दरवाजे में फंसने के केस आए हैं पर वह दिन दूर नहीं जब पब्लिक छत पर बैठकर सफर करने लगेगी

प्रति व्यक्ति आय

1.17

लाख रुपये है दिल्ली में, जबकि औसत राष्ट्रीय प्रति व्यक्ति आय 53,331 रुपये है

जीडीपी

1.83

करोड़ रुपये है दिल्ली की जीडीपी 2004-05 की कीमतों पर

पढ़ाई की हालत

86.34%

पढ़े-लिखे लोग हैं (पुरुष साक्षरता दर 91.03 पर्सेंट, स्त्री साक्षरता दर 80.93 पर्सेंट)

शिक्षा संस्थान

8

यूनिवर्सिटी, 12 डीम्ड यूनिवर्सिटी, 78 कॉलेज और 106 प्रफेशनल कॉलेज हैं

चिकित्सा संस्थान

789

ऐलोपैथिक, 8 आयुर्वेदिक/यूनानी, 2 होम्योपैथिक हॉस्पिटल और 8 प्राइमरी हेल्थ सेंटर हैं

सेक्स रेश्यो

866

महिलाएं हैं 1000 पुरुषों पर, दिल्ली में। हालात अच्छे नहीं

सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट बड़ी कारों और एसयूवी पर टैक्स में बढ़ोतरी का समर्थन करता है। इसे 22 से 24 फीसदी किया गया है, पर बजट में डीजलाइजेशन को नजरअंदाज कर दिया गया है, जो बेहद तेजी से बढ़ रहा है।

– **अनुमिता रॉय चौधरी,** *एग्जीक्युटिव डायरेक्टर, रिसर्च एंड एडवोकेसी, सीएसई*

इस बजट में इंडस्ट्रीज और कॉरपोरेट सेक्टर के लिए सब-कुछ नेगेटिव ही नजर आ रहा है। इस बजट को समझना तो मुश्किल नहीं है लेकिन इसे इस तरह से स्वीकार कर पाना जरा मुश्किल है।

– **राहुल बजाज,** *चेयरमैन, बजाज आटो*

एक्सपर्ट पैनल

कहां है शहरों की प्लानिंग

हैरानी होती है कि बजट में टाउन प्लानिंग की बात नहीं की गई है। आबादी बढ़ रही है, ऐसे में छोटे-बड़े 550 शहरों की प्लानिंग पर सरकार को ध्यान देना चाहिए।

आर. जी. गुप्ता
पूर्व सिटी प्लानर